EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET-6 & 7, SECTOR-C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070
Tel: 91-11-26135256 Email: mails@epch.com
Fax: 91-11-26135518, 26135519 Web: www.epch.in

PRESS RELEASE

XXXIII EXPOARTESANIAS 2013 INAUGURATED BY AMBASSADOR OF INDIA IN COLOMBIA

New Delhi – December 10, 2013 --India Pavilion set up in collaboration with Indian Embassy during XXXIII Expoartesanias 2013, being held from 6 – 19 December, 2013 in Colombia, was inaugurated on December 06, 2013 by Ambassador of India Mr. Riewad V. Warjri in the presence of Mr. Navraj Goyal, Addl. Development Commissioner(Handicrafts), Ministry of Textiles, Govt. of India, Mr. Harish Lall, Member COA-EPCH, Mr. Jaime Mantilla, President – Colombia India Chamber of Commerce and Mr.R.K.Verma, Director-EPCH alongwith local dignitaries from Bogota, Colombia.

The 14-day-long event is aimed at showcasing craftsmanship of Indian handicrafts to the Colombian buyers and generating business, said Mr. Rakesh Kumar, Executive Director – EPCH.

EXPOARTESANIAS is the largest and famous fair of handicrafts in Latin American Countries. India is part of 18 countries selected to set-up special pavilions at this prestigious event, the biggest handicrafts & artisans' exhibition in Latin America.

Indian pavilion has been set up in Hall 6 along with 35 Indian Handicrafts Exporters of which 17 member exporter of EPCH are participating with Council in Expoartesanias 2013 along with 5 master craft persons deputed by O/o Development Commissioner (Handicrafts), Ministry of Textiles. These Master Craft persons are performing live demonstration of their crafts such as Phulkari, Zari Craft, Tie & Dye, Blue Pottery and Shawls.

Approximate 700 handicrafts manufacturers are participating from India, Argentina, Maxico, Pakistan, Turkey, Peru, Thailand, Venezula, Equador, Indonesia, Parague, Uruguay and Colombia.

Good foot fall of buyers was seen during the first three days of the show.

To create awareness of Indian Handicrafts and India as a Sourcing Destination, the Council had also organized a seminar on December 05, 2013 at Bogota, Colombia in close coordination with Indian Embassy. Ambassador of India welcomed the delegates present during Seminar.

The speakers of seminar were leading importers of Colombia, M.S. Cristina De La Espriella, President of Colombia Chamber of Commerce, Mr. Jaime Mantilla, Ms. Martha Lucia Diaz Rivera, Journalist, Mr. Harish Lall, Member COA-EPCH, Mr. Navraj Goyal, Addl. Development Commissioner-(H). The seminar was attended by leading Importers, representatives from trade associations, Press & Media and other dignitaries.

Mr. R.K.Verma, Director-EPCH made a presentation about **“India a Perfect Sourcing Destination for Handicrafts & Gifts”**. A cultural performance of Indian dance was also performed by local artists.

Mr. Kumar, Executive Director further elaborated that the Council has been participating in XXXIII Expoartesanias for the last many years as Latin America and Caribbean countries offer immense potential for exports of Indian handicrafts.

The exports of handicrafts has increased manifold in previous years as the exports which was USD million 1858 during 2000-01 increased to USD million 3305 during 2012-2013. The average exports growth in exports of handicrafts from India has remained between 15 - 16% per annum. The exports to Colombia was of USD 3.15 million during the 2011-12 which increased to USD 4.53 million during 2012-13, he added.

For further information, please contact :

Mr. Rakesh Kumar, Executive Director – EPCH - +91-9818272171

प्रेस विज्ञप्ति

कोलंबिया में भारतीय राजदूत ने 33वें एक्सपोआर्टेसैनिज 2013 का उद्घाटन किया

नई दिल्ली - 10 दिसंबर 2013 - 6 से 19 दिसंबर, 2013 के दौरान कोलंबिया में आयोजित किये जा रहे 33वें एक्सपोआर्टेसैनिज में भारतीय मंडप का उद्घाटन भारतीय राजदूत आरवी वर्जरी ने 6 दिसंबर को किया. इस समारोह में वस्त्र मंत्रालय (भारत सरकार) के हस्तशिल्प अपर आयुक्त श्री नवराज गोयल, ईपीसीएच के प्रशासनिक समिति के सदस्य श्री हरीश लाल, भारत-कोलंबिया चेंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष श्री जेमी मैंटिला और ईपीसीएच के निदेशक आर के वर्मा समेत बगोटा के कई स्थानीय गणमान्य लोगों ने भाग लिया.

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राकेश कुमार ने बताया, 'इस 14 दिवसीय समारोह का आयोजन कोलम्बियाई खरीददारों के लिए भारतीय हस्तशिल्प के कौशल का प्रदर्शन और व्यापार पैदा करने के उद्देश्य से किया गया है.'

एक्सपोआर्टेसैनिज लैटिन अमेरिकी देशों में हस्तशिल्प का सबसे बड़ा और प्रसिद्ध मेला है. भारत लैटिन अमेरिका में आयोजित इस सबसे बड़े हस्तशिल्प एवं शिल्पकारों की प्रदर्शनी में विशेष मंडप प्रतिष्ठित करने वाले 18 देशों का हिस्सा है.

एक्सपोआर्टेसैनिज 2013 में परिषद ने 35 भारतीय हस्तशिल्प निर्यातकों, इनमें 17 ईपीसीएच के सदस्य निर्यातक भी हैं, के साथ भारतीय मंडप को हॉल 6 में स्थापित किया है. वस्त्र मंत्रालय के हस्तशिल्प विकास आयुक्त कार्यालय ने इसके लिए 5 शिल्प विशेषज्ञों की भी प्रतिनियुक्ति की है. ये शिल्प विशेषज्ञ यहां फुलकारी, जरी क्राफ्ट, टाई एण्ड डाई, ब्लू पोटरी और शॉल के रूप में अपने शिल्प का जीवंत प्रदर्शन कर रहे हैं.

भारत, अर्जेंटीना, मैक्सिको, पाकिस्तान, तुर्की, पेरू, थाईलैंड, वेनेजुएला, इक्वाडोर, इंडोनेशिया, पराग्वे, उरुग्वे और कोलम्बिया से लगभग 700 हस्तशिल्प निर्माता इसमें भाग ले रहे हैं.

इस प्रदर्शनी के पहले तीन दिनों में अच्छी संख्या में लोगों का आना हुआ. भारतीय हस्तशिल्प और हस्तशिल्पस्रोत के गंतव्य के रूप में भारत के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए परिषद ने भारतीय दूतावास के साथ मिलकर बोगोटा, कोलम्बिया में 5 दिसम्बर 2013 को एक संगोष्ठी का आयोजन किया. भारत के राजदूत ने इस सेमिनार के दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों का स्वागत किया.

इस सेमिनार के प्रमुख वक्ताओं में कोलम्बिया के प्रमुख आयातक एमएस क्रिस्टीना डी ला स्प्रिएला, कोलंबिया चेंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष जेमी मैंटिला, पत्रकार सुश्री मार्था लूसिया डियाज़ रिवेरा, ईपीसीएच के प्रशासनिक समिति के सदस्य श्री हरीश लाल, हस्तशिल्प अपर विकास आयुक्त श्री नवराज गोयल थे. इस सेमिनार में प्रमुख आयातकों, व्यापार संघों के प्रतिनिधियों, प्रेस और मीडिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया.

ईपीसीएच के निदेशक श्री आर के वर्मा ने **'हस्तशिल्प एवं उपहार के लिए भारत एक संपूर्ण स्रोत गंतव्य'**विषय पर एक प्रस्तुति दी. स्थानीय कलाकारों द्वारा भारतीय नृत्य का एक सांस्कृतिक प्रदर्शन भी किया गया.

कार्यकारी निदेशक श्री कुमार ने बताया, 'लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों में भारतीय हस्तशिल्प के निर्यात की अपार क्षमता मौजूदगी की वजह से परिषद पिछले कई सालों से एक्सपोआर्टेसैनिज में भाग लेता आ रहा है.'

हस्तशिल्प का निर्यात पिछले कुछ सालों में बहुत बढ़ गया है. यह 2000-01 के दौरान 1,858 मिलियन अमेरिकी डॉलर था जो 2012-13 के दौरान बढ़कर 3,305 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है. हालांकि भारत से हस्तशिल्प निर्यात वृद्धि प्रतिवर्ष औसतन 15-16 प्रतिशत के बीच बना हुआ है. उन्होंने बताया कि कोलंबिया के लिए निर्यात 2011-12 के दौरान 3.15 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2012-13 के दौरान 4.53 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है.

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

श्री राकेश कुमार, **कार्यकारी निदेशक - ईपीसीएच - +91-9818272171**

H.E. R.V. Warjri interacting with artisan along with Addl. Comm. (Handicrafts) Mr. Navraj Goyal, also in the picture is Mr. R.K. Verma, Director-EPCH (Extreme Left)

L-R At the Inauguration) Mr. Jaime Mantilla- President of Colombia India Chamber of Commerce, Mr. Harish Lall, Member-COA, His Excellency R.V. Warjri, , Mr. Navraj Goyal, Addl. Dev. Comm. (Handicrafts), and Mr. R.K.Verma, Director-EPCH (Extreme Right)